हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 22 | श्रावस्ती, शनिवार 28 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करेगा भारत : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण बताया। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किया गया है। शाह ने कहा कि भारत द्वारा इस आयोजन की मेजबानी जीतना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्मित हमारे विशाल खेल बुनियादी ढांचे की वैश्विक मान्यता है। अहमदाबाद को इस आयोजन स्थल के रूप में चुना जाना, जो 50 से अधिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पुलिस, अग्निशमन और आपदा सेवाओं को एक साथ लाता है,

अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस : सीएम योगी बोले- एमएसएमई आत्मनिर्भर भारत का आधार, सीएम युवा एप का किया शुभारंभ

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए ष्यूथ अड्डाष और सीएम युवा एप का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कई युवाओं को सम्मानित भी किया। इसके पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि एमएसएमई इकाईयां 'आत्मनिर्भर' भारत का आधार हैं। अपने अथक परिश्रम से प्रदेश को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रहे सभी उद्यमियों को एमएसएमई दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार उद्यम एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु सतत क्रियाशील है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के मौके पर पूर्व की सपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार ने जातीय संघर्ष करवाकर प्रदेश को एक जनपद एक माफिया के रूप में पहचान दी थी। पहले प्रदेश में दंगे होते थे, माफिया गिरोह के रूप में प्रदेश की पहचान होती थी, बेटियों व व्यापारियों के लिए सबसे खराब स्थिति थी।

आज एक जिला एक उत्पाद ने प्रदेश को नई पहचान दी है। पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुरसत नहीं थी, जिसके कारण युवाओं के सामने पहचान का संकट था। उन्होंने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया। लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सीएम–युवा योजना और रोजगारपरक अन्य योजनाओं के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को चेक एवं टूलकिट वितरित किया। उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए लखनऊ के किसान बाजार में निर्मित श्श्यूथ अड्डाश्श का लोकार्पण किया। यह नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह मंच युवाओं को अपने व्यवसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण प्राप्त करने और अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती है। मुख्यमंत्री ने श्श्सीएम युवाश्श मोबाइल एप का भी लोकार्पण किया। यह एप युवाओं को प्रशिक्षण, ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।एप सुनिश्चित करेगा कि कोई भी युवा सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर न हो। उन्होंने बरेली व मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की लागत से बने ओडीओपी कामन फैसिलिटेशन सेंटर (सीएफसी) का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक 77 उत्पादों का जीआइ टैग हो चुका है 75 उत्पादों के जीआइ टैग के लिए आवेदन कर दिया गया है।

प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में दो करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं, जिनमें सभी जातियों और समुदायों के लोग शामिल हैं। यूपी देश में एमएसएमई में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है। वर्ष 2017 में प्रदेश का निर्यात मात्र 80 हजार करोड़ रुपये था, जो आज दो लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 55 हजार युवाओं को पांच लाख रुपये का ब्याज–मुक्त ऋण और 10 प्रतिशत सरकारी अनुदान प्रदान किया गया है।

बोनी कपूर ने सीएम योगी से की मुलाकात, फिल्म निर्माता की कंपनी बनाएगी फिल्म सिटी

लखनऊ (एजेन्सी)। फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। बोनी कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें उन्होंने सीएम को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। तस्वीर शेयर करते हुए बोनी कपूर ने लिखा श्उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ सार्थक बैठक हुई।

अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में, बोनी कपूर की कंपनी, बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट श्इंटरनेशनल फिल्म सिटीश का विस्तृत लेआउट प्लान भी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) को सौंपा। वाईईआईडीए की तरफ से जारी प्रेस नोट के मुताबिक वाईईआईडीए अब योजना की समीक्षा करेगा और मंजूरी देने के बाद, फिल्म सिटी का काम शुरू होगा। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे सेक्टर–21 में 1,000 एकड़ से ज्यादा जमीन पर इंटरनेशनल फिल्म सिटी बनाने का प्लान है। इसका पहला चरण 230 एकड़ जमीन पर शुरू होगा, जिसकी लागत लगभग 1,510 करोड़ रुपये है। सीईओ अरुण वीर सिंह ने बताया कि बोनी कपूर की कंपनी ने इस प्रोजेक्ट की सबसे ज्यादा बोली लगाई है। उन्हें 18 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी की पेशकश के साथ मंजूरी दे दी गई है। यह परियोजना अगले आठ वर्षों में तीन चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में, 230 एकड़ में निर्माण होगा। इसके बाद चरण 2 और 3 में बाकी 770 एकड़ पर काम होगा।

आपातकाल के दौरान छोड़े गए अधिकारों के कारण भारतीय मछुआरों को पकड़ता है श्रीलंका : जयशंकर

नयी दिल्ली (एजेन्सी) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने का मुद्दा आपातकाल के दौरान हुए एक समझौते से उपजा है, जिसके तहत कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में मछली पकड़ने के अधिकार भारत ने छोड़ दिए थे। जयशंकर ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि यदि उस समय वास्तविक संसद काम कर रही होती तो श्रीलंका के साथ यह समझौता नहीं होता। उन्होंने कहा कि उस समय कभी–कभी बिना किसी संसदीय चर्चा के बड़े फैसले ले लिए जाते थे। विदेश मंत्री ने कहा, ''हम श्रीलंका द्वारा हमारे मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में सुनते रहते हैं। इसका कारण यह है कि आपातकाल के दौरान एक समझौता किया गया था, जिसके तहत श्रीलंका के कुछ समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के मछुआरों के अधिकार को छोड़ दिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर उस समय वास्तविक संसद काम कर रही होती तो चर्चा होती और इस फैसले को स्वीकार नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के परिणाम तमिलनाडु में अब भी दिखाई देते हैं। जयशंकर ने कहा कि दुनिया में सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की छवि को तब धक्का लगा जब 25 जून 1975 को आपातकाल लगाया गया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रावासों में पुलिस छापों के अपने अनुभवों और जॉर्ज फर्नांडिस जैसे नेताओं के साथ अपने परिवार के संबंधों को भी याद किया। विदेश मंत्री ने कहा, ''मैंने विदेश सेवा में अपने वरिष्ठों से सुना था कि आपातकाल लगाकर संविधान और लोकतंत्र की हत्या के बाद भारत की रक्षा करना कितना कठिन था। गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए जयशंकर ने कहा कि जब देश से पहले ''परिवार को रखा जाता है तो आपातकाल की स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''कुछ लोग संविधान की प्रति अपनी जेब में रखते हैं, लेकिन उनके दिल में कुछ और ही होता है। उन्होंने कहा कि लोगों को भविष्य में ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए, क्योंकि सशक्त जनता ऐसा कभी नहीं होने देगी।

तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे, बिहार चुनाव को लेकर राजद ने कैंपेन सॉन्ग किया

पटना (एजेन्सी) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अपना कैंपेन सॉन्ग लॉन्च कर दिया है। इस सॉन्ग की टैगलाइन है तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे। साथ ही इसमें उन्हें बिहार का बेटा बताया गया है और कई सारे वादों को पूरा करने की बात कही गई है। राष्ट्रीय जनता दल का कैंपेन सॉन्ग करीब पांच मिनट 43 सेकंड का है। इस सॉन्ग की शुरुआत ग्रामीण क्षेत्र के खूबसूरत नजारे के साथ होती है। सॉन्ग के बोल में तेजस्वी यादव का जिक्र किया गया है और उन्हें नेता नहीं बल्कि बिहार का बेटा बताया गया है। यह मगही भाषा में तैयार गीत है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका वीडियो शेयर किया है, जिसमें लिखा है, रौशन सवेरा लईहें गे। राजद के कैंपेन सॉन्ग में कहा गया है, तेजस्वी अबकी अईहें गे, रौशन सबेरा लईहें गे। नेता नहीं, ई बेटा छी, कोय एकरा सं बेहतर नहीं। इस कैंपेन सॉन्ग में बेरोजगारी का जिक्र, नौकरी देने का वादा, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, माई–बहिन योजना और वृद्धा पेंशन के तहत 400 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति महीना देने का वादा किया गया है। इसके अलावा, शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योग पर फोकस और पलायन रोकने का भी वादा किया गया है। कैंपेन सॉन्ग में कहा गया, आपन तेजस्वी भैया मुमकिन सब के सब कर पईहें गे। बता दें कि बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के मद्देनजर राजद नेता तेजस्वी यादव लगातार बैठक कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में छात्र–युवा संसद में हिस्सा लिया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर कार्यक्रम की फोटो शेयर करते हुए लिखा, आज छात्र–युवा संसद में उमड़े युवाओं के लिए ढेर सारा प्यार और आभार। बिहार के युवा 20 वर्षों की इस निकम्मी एनडीए सरकार की मंशा भांप चुके हैं। युवा अब वह सत्ता के फैसले का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि अब सत्ता का फैसला करेगा। बिहारी युवा मिट्टी के नहीं, हौसलों और हिम्मत के बने हैं। हमारी सोच में लहू नहीं क्रांति दौड़ती है। युवा साथियों, उठो, ठानो और चलो और तब तक मत रुको जब तक बिहार फिर से ज्ञान, कर्म, भक्ति, प्रगति और तरक्की की राजधानी न बन जाए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूसी समकक्ष से की मुलाकात

इस दौरान दोनों नेताओं ने एस-400 सिस्टम की डिलीवरी, एसयू-30 एमकेआई के अपग्रेड और समय-सीमा में सैन्य हार्डवेयर की खरीद को लेकर बात की

किंगदाओ (एजेन्सी)। चीन के किंगदाओ में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने रूसी समकक्ष आंद्रेई बेलोसोव से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने एस–400 सिस्टम की डिलीवरी, एसयू–30 एमकेआई के अपग्रेड और समय–सीमा में सैन्य हार्डवेयर की खरीद को लेकर बात की रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने वर्तमान भू–राजनीतिक स्थितियों, सीमा पार आतंकवाद और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को कवर करते हुए कई विषयों पर चर्चा की। रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव ने भारत–रूस के दीर्घकालिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पहलगाम हमले को भयावह और कायराना आतंकवादी कृत्य बताते हुए भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह दोनों देशों के नेताओं के बीच हाल ही में हुई सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक थी।

इसमें रक्षा उत्पादन बढ़ाने को लेकर बात हुई। इसमें वायु रक्षा, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, आधुनिक क्षमताओं और हवाई प्लेटफार्मों के उन्नयन पर चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख तौर पर एस–400 सिस्टम की आपूर्ति, एसयू–30 एमकेआई के विकास और समय सीमा में महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर की खरीद पर भी बात हुई। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने और बेलोसोव ने दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलोसोव से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत–रूस रक्षा संबंधों को बढ़ाने पर गहन विचार–विमर्श किया। इससे पहले चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय मुद्दों पर बात की। साथ ही मधुबनी पेंटिंग भेंट की। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में साझा बयान पर साइन करने से इनकार कर दिया क्योंकि इसमें हाल ही में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र तक नहीं था, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। चीन के किंगदाओ में एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) सम्मेलन के दौरान भारत ने चीन को संबंधों को बेहतर करने का फार्मूला सुझाया। भारत ने सीमा पर तनाव को कम करने के लिए चीन से चार योजनाओं पर ध्यान देने के लिए कहा। साथ ही छह साल बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर खुशी जताई। एससीओ सम्मेलन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने समकक्ष चीनी रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से मुलाकात की। इस दौरान चीन को चार फार्मूलों पर काम करने के लिए कहा गया। इसमें पहला 2024 की विघटन योजना का पालन करना, दूसरा तनाव कम करने के लिए उपयोग करना शामिल है।

गुजरात हाई कोर्ट से आसाराम को मिली राहत, सुना दिया बड़ा फैसला

गांधीनगर (एजेन्सी) शुक्रवार, 27 जून को 2013 के रेप केस में दोषी और उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अदालत ने उसकी अस्थायी जमानत को 7 जुलाई 2025 तक के लिए बढ़ा दिया है। यह फैसला जस्टिस इलेश जे. वोरा और जस्टिस संदीप एन. भट्ट की खंडपीठ ने दिया। अदालत ने यह बढ़ोतरी आसाराम के वकील की ओर से याचिका में दस्तावेज दाखिल करने के लिए मांगे गए अतिरिक्त समय के आधार पर की। हाई कोर्ट ने इससे पहले 28 मार्च 2025 को आसाराम को तीन महीने की अस्थायी जमानत दी थी। यह जमानत उसकी स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए दी गई थी। उस समय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत 30 जून को समाप्त हो रही थी। अब जबकि 30 जून को यह अवधि खत्म हो रही थी, अदालत ने इसे 7 जुलाई तक बढ़ाने का निर्णय लिया। आसाराम के वकील ने अदालत से कुछ और दिन का समय मांगा ताकि वह याचिका में जरूरी दस्तावेज अदालत के रिकॉर्ड पर पेश कर सके। उन्होंने बताया कि 28 मार्च को कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बाद जोधपुर जेल से रिहाई में करीब 10 दिन लग गए, और आसाराम को 7 अप्रैल को रिहा किया गया। इसलिए उन्होंने अदालत से दो दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगी ताकि दस्तावेजों को समय पर दाखिल किया जा सके और प्रतिवादी पक्ष उन्हें जांच सके। अदालत ने अपने आदेश में कहा, मौजूदा मामले के विशेष तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, खासकर नालसा से प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के चलते, हम अस्थायी जमानत की अवधि 7 जुलाई तक बढ़ा रहे हैं। अब इस मामले में अगली सुनवाई 2 जुलाई 2025 को होनी है। गांधीनगर की एक अदालत ने जनवरी 2023 में आसाराम को एक महिला अनुयायी से 2001 से 2006 के बीच बार–बार बलात्कार करने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इससे पहले वह 2013 में राजस्थान

भारत ने ऑपरेशन सिंधु में सहयोग के लिए मित्र देशों को धन्यवाद दिया

नयी दिल्ली (एजेन्सी) इजरायल–ईरान युद्ध के दौरान इन दोनों देशों में रह रहे अपने नागरिकों को सकुशल वापस लाने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु चलाया था। इस ऑपरेशन को सफल बनाने में इजरायल, ईरान, जॉर्डन, मिस्र, आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान की सरकारों ने सहयोग दिया। भारत सरकार ने इन सभी देशों को उनके सहयोग के लिए आभार जताया है। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ईरान से अबतक 14 फ्लाइट्स के जरिए अपने नागरिकों को वापस लाई है। ईरान, आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान से उड़ानें संचालित की गई हैं। आर्मेनिया से अंतिम उड़ान आज शाम को नयी दिल्ली में उतरेगी। इजरायली हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारतीय नागरिकों को भी सीमावर्ती देशों जॉर्डन और मिस्र ले जाया गया, जहां से उन्हें विशेष उड़ानों से भारत वापस लाया गया। जायसवाल ने कहा, हम ऑपरेशन सिंधु में सहयोग के लिए इजरायल, जॉर्डन और मिस्र की सरकारों को धन्यवाद देना चाहते हैं। हम ईरान की सरकार को भी धन्यवाद देना चाहते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हमने अनुरोध किया और उन्होंने हमारे नागरिकों को निकालने के लिए अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया। हम इस विशेष कार्य के लिए ईरान सरकार के आभारी हैं। हम अपने लोगों को निकालने में मदद करने के लिए तुर्कमेनिस्तान और आर्मेनिया की सरकारों के भी आभारी हैं। भारत ने ईरान और इजरायल से अपने नागरिकों को निकालने के लिए 18 जून को ऑपरेशन सिंधु शुरू किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ईरान में भारत के करीब 10,000 और इजरायल में करीब 40,000 नागरिक हैं। ईरान से हमने अब तक 3,426 भारतीय नागरिकों, 11 ओसीआई कार्ड धारकों, नौ नेपाली नागरिकों, कुछ श्रीलंकाई नागरिकों और एक ईरानी नागरिक को निकाला है। ईरानी नागरिक की शादी भारतीय से हुई है। जायसवाल ने कहा, जहां तक इजरायल का सवाल है, हमने अब तक चार उड़ानों के जरिए 818 भारतीय नागरिकों को वहां से निकाला है। इजरायल में हवाई क्षेत्र बंद था, इसलिए भारतीय नागरिकों को सीमावर्ती देशों जॉर्डन और मिस्र ले जाना पड़ा। इन दोनों देशों से भारतीय नागरिकों को विशेष फ्लाइट्स में बिठाया गया और वापस घर लाया गया। उन्होंने कहा, ईरान–इजरायल के बीच युद्ध विराम हो चुका है। हमने इसका स्वागत किया है। ऑपरेशन सिंधु जारी रखना है या नहीं इसके लिए हम जमीनी स्तर पर स्थिति का आकलन कर रहे हैं। संबंधित जानकारी साझा की जाएगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक गुरुवार को विशेष विमान से कुल 275 लोग, जिनमें 272 भारतीय नागरिक और तीन नेपाली नागरिक, ईरान के मशहद से नयी दिल्ली पहुंचे। इसके अलावा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने बुधवार को ऑपरेशन सिंधु के तहत 224 भारतीय नागरिकों को इजरायल से सफलतापूर्वक निकाला।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन की हालत चिंताजनक, ब्रेन स्ट्रोक से बाएं हिस्से ने काम करना किया बंद

नयी दिल्ली (एजेन्सी) झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य निर्माण आंदोलन के अग्रणी नेता शिबू सोरेन कुछ दिनों से दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती है। उनके साथ सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन भी मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शिबू सोरेन की तबीयत में न कोई सुधार है और न ही कोई इंप्रूवमेंट है। डॉक्टरों के मुताबिक उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है, जिससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। वह पिछले 4 दिनों से वेंटिलेटर पर हैं। पिता की तबीयत को लेकर हेमंत सोरेन दिल्ली में ही है। वह राजधानी रांची के ऐतिहासिक रथ यात्रा में शामिल भी नहीं हुए। वहीं, झारखंड में उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल है। सोशल मीडिया पर भी लोग उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। बीते गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गंगाराम अस्पताल में भर्ती शिबू सोरेन का हालचाल जाना। वहीं, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी दिल्ली जाकर सर गंगाराम अस्पताल में शिबू सोरेन से मुलाकात की। राज्यपाल ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और इलाज कर रहे डॉक्टरों से उनकी सेहत को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने शिबू सोरेन के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। गौरतलब है कि 81 वर्षीय शिबू सोरेन लंबे समय से किडनी, डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। वे एक साल से डायलिसिस पर हैं और पहले भी उनकी बायपास सर्जरी हो चुकी है।

सम्पादकीय

आम जन के बीच भूमिका तलाशे राजभाषा विभाग

इसे संयोग कहें या कुछ और, राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी वक्त महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र दिखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया। वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतरू भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी संवैधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी काम–काज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा। किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार और सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी दिख रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों और केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के जरिए दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से किस तरह बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा नजर आया। कन्नड़ ना बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करते नजर आए। सॉफ्टवेयर क्रांति का केंद्र बेंगलुरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के सतहत्तर साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ बदसलूकी होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है। बेशक राजभाषा विभाग के लिखित उद्देश्य में इसका जिक्र नहीं है। लेकिन राजभाषा विभाग को इस दिशा में भी काम करना होगा। उसे सोचना होगा कि गैर हिंदीभाषी राज्यों के मन में हिंदी को लेकर जो गांठ बन रही है, उसे किस तरह दूर किया जा सकता है। राजभाषा विभाग को देखना होगा कि हिंदी के नजदीक दूसरे राज्यों के लोग कैसे आ सकते हैं। अपनी प्रमुख पुस्तिका हिंद स्वराज में गांधीजी ने हिंदी को ही स्वाधीन भारत की भाषा माना था। उन्हें पता था कि तमिलनाडु जैसे गैर हिंदीभाषी राज्य इसका विरोध कर सकते हैं। इसलिए 1918 के इंदौर के हिंदी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में हिंदी के पांच सेवकों को दक्षिणी राज्य में प्रचार के लिए भेजा था, जिनमें एक उनके बेटे देवदास गांधी भी थे। उन्होंने दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की। इसके बाद केरल हिंदी प्रचार सभा, राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद जैसी कई संस्थाएं बनी और हिंदी को सहज स्वीकार्य बनाने की दिशा में काम करने लगीं।

ईरान-इजरायल संघर्ष से संकट में विश्व, अमेरिका के एक्शन से बढ़ रहा संकट

अमेरिका की ओर से ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों को नष्ट किए जाने के बाद इजरायल ने भी इनमें से ही एक परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया। अमेरिका, इजरायल, यूरोपीय देशों और ईरान के हमदर्द–दोस्त समझे जाने वाले रूस और चीन के बयानों को देखते हुए यह स्पष्ट हो रहा है कि ईरान का संकट बढ़ रहा है। इसी के साथ विश्व का भी संकट बढ़ रहा है, क्योंकि वे स्रोत और मार्ग बाधित हो सकते हैं, जो ऊर्जा उत्पादन एवं आपूर्ति के माध्यम हैं। ईरान भी ऊर्जा उत्पादन एवं आपूर्ति का एक केंद्र है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतें ईरान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों से पूरी करता है। भारत ईरान में बंदरगाह भी तैयार कर रहा है। ईरान कहे और करे कुछ भी, वह असहाय सा दिख रहा है। चूंकि भारत के इजरायल और ईरान, दोनों से अच्छे संबंध हैं, इसलिए उसने सैन्य टकराव टालने पर जोर देने और तटस्थता का परिचय देना तय किया। फिलहाल यही उचित भी है। भारत को विश्व शांति के साथ अपने हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। इसलिए और भी, क्योंकि खुद को युद्ध विरोधी बताने और नोबेल शांति सम्मान की ललक रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के पक्ष में खड़े होकर ईरान पर परमाणु हथियार बनाने की जिद पकड़ने एवं आतंक का सबसे बड़ा समर्थक होने का दोष मढ़कर उस पर तो हमला बोला, लेकिन पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखा रहे हैं। यह आतंक के प्रति दोहरी नीति और भारत के हितों की अनदेखी है। जैसे ईरानी सत्ता परमाणु हथियार हासिल करने के साथ हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों का साथ देती है, वैसे ही पाकिस्तान भी लश्कर, जैश आदि आतंकी गुटों को पालता है। यदि हमास, हिजबुल्ला इजरायल संग अमेरिका के लिए भी खतरा हैं, वैसे ही पाकिस्तानी सेना की ओर से पाले जा रहे लश्कर, जैश भारत के लिए। इससे ट्रंप परिचित भी हैं, क्योंकि ये आतंकी संगठन अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र से भी प्रतिबंधित हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप पाकिस्तान को धोखेबाज और आतंकियों को पालने वाला बता चुके हैं। आखिर उन्हें पाकिस्तान आतंक का दूसरा, तीसरा सबसे बड़ा समर्थक क्यों नहीं दिखता? यह देखने–समझने के बजाय उन्होंने हाल में पाकिस्तान के जिहादी सोच वाले सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका निमंत्रित किया और उनकी तारीफ भी की। क्या इसलिए कि अपने निजी स्वार्थ साध सकें या फिर पाकिस्तान को झांसा दे सकें? जो भी हो, लगता नहीं कि रूस या चीन जैसे देश ईरान के पक्ष में बयान देने के अलावा और कुछ कर सकेंगे। चीन की अपनी सीमाएं हैं और रूस पहले से ही यूक्रेन में उलझा है। यदि पश्चिम एशिया के हालात और बिगड़े तो विश्व शांति के साथ अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरे बढ़ सकते हैं। इसलिए और भी, क्योंकि खुद को युद्ध विरोधी बताने और नोबेल शांति सम्मान की ललक रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इजरायल के पक्ष में खड़े होकर ईरान पर परमाणु हथियार बनाने की जिद पकड़ने एवं आतंक का सबसे बड़ा समर्थक होने का दोष मढ़कर उस पर तो हमला बोला, लेकिन पाकिस्तान के प्रति प्रेम दिखा रहे हैं। यह आतंक के प्रति दोहरी नीति और भारत के हितों की अनदेखी है। जैसे ईरानी सत्ता परमाणु हथियार हासिल करने के साथ हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों का साथ देती है, वैसे ही पाकिस्तान भी लश्कर, जैश आदि आतंकी गुटों को पालता है। यदि हमास, हिजबुल्ला इजरायल संग अमेरिका के लिए भी खतरा हैं, वैसे ही पाकिस्तानी सेना की ओर से पाले जा रहे लश्कर, जैश भारत के लिए। इससे ट्रंप परिचित भी हैं, क्योंकि ये आतंकी संगठन अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र से भी प्रतिबंधित हैं। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप पाकिस्तान को धोखेबाज और आतंकियों को पालने वाला बता चुके हैं।

बिहार में जीत के लिए कांग्रेस फिर से काठ की हांडी के भरोसे

भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटो पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे।

योगेन्द्र योगी

लगातार तीसरी बार लोकसभा चुनाव और कई राज्यों में विधानसभा चुनाव हारने से भी कांग्रेस ने कोई सबक नहीं सीखा है। देश में भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दे उठाने के बजाए पुराने गढ़े मुर्दे उखाड़ कर अपना खोया हुआ जनाधार फिर से प्राप्त करने की नाकाम कोशिशों में जुटी हुई है। देश की सबसे पुरानी पार्टी को देश के मतदाताओं की नब्ज पकड़ में नहीं आई है। इतने चुनाव हारने के बाद भी कांग्रेस को यह समझ नहीं आया है कि आखिर देश के मतदाता चाहते क्या हैं। मतदाताओं की जरूरतों को समझने के बजाए कांग्रेस सत्ता प्राप्ति के लिए काठ की हांडी को बार–बार चढ़ाने के प्रयास में मात खा रही है। महारष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोपों से यही लगता है कि कांग्रेस के पास मुद्दों की या समझ की कमी हो गई है। कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में फर्जीवाड़े का आरोप लगा रही है। आश्चर्य यह है कि यही कांग्रेस जब कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में चुनाव जीती तब निर्वाचन प्रक्रिया पर ऐसे आरोप नहीं लगाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर फिर एक बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने 5 स्टेप में महाराष्ट्र चुनाव में फिक्सिंग की बात कही है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर जवाब देते हुए उनके सभी दावों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने एक अग्रेजी अखबार में लिखे अपने लेख के जरिए भाजपा पर आरोप लगाया कि महाराष्ट्र चुनावों में मैच फिक्सिंग की गई और अब कुछ ऐसा ही बिहार में दोहराया जाएगा। राहुल गांधी ने अपने इस लेख को सोशल मीडिया पर शेयर किया। राहुल गांधी ने लिखा कि भाजपा और उसके सहयोगियों ने महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी। कांग्रेस नेता ने यह कहा कि महाराष्ट्र की तरह की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। राहुल गांधी के इस आरोप पर भाजपा के साथ–साथ जदयू, हम सहित अन्य दलों ने भी कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रतिक्रिया दी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी द्वारा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट करार दिये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता कई चुनाव में हार से दुखी और हताश है और इसलिए विचित्र साजिशें रचने का आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटो पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार–बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोडने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि महाराष्ट्र में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 6.41 करोड़ मतदाताओं ने वोट दिया। अर्थात हर घंटे औसतन 58 लाख वोट पड़े। इस लिहाज से आखिरी दो घंटों में 116 लाख वोट पड़ सकते थे। जबकि आखरिी दो घंटों में केवल 65 लाख वोट पड़े जो औसत से काफी कम था। आयोग ने तब कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, 2024 से पहले कांग्रेस या किसी अन्य राजनीतिक दल की ओर से कोई शिकायत नहीं थी। गौरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस ईवीएम मशीनों से वोटिंग के बजाए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर चुकी है। कांग्रेस का आरोप था कि ईवीएम मशीनों में हेराफेरी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2024 में कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इन याचिकाओं में चुनाव के दौरान सभी ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों का मिलान वोटर–वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल स्लिप से करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाओं को खारिज करते हुए सीजेआई खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने बैलेट पेपर सिस्टम पर वापस लौटने की याचिकाकर्ताओं की मांग को कमजोर, प्रतिगामी और अनुचित बताया था। बेंच ने फैसला सुनाया था कि ईवीएम सरल, सुरक्षित और उपयोगकर्ता के अनुकूल हैं। चुनाव हो जाने के करीब एक साल बाद महाराष्ट्र में चुनावी धांधलियों का आरोप लगाने पर यही माना जाएगा कि कांग्रेस गफलत में हैं। यदि चुनावों में गड़बड़ी की शिकायतें हैं भी तो इन्हें अदालतों में चुनौती दी जा सकती है। कांग्रेस को शायद अंदाजा है कि अदालतों में उसके लगाए आरोप टिक नहीं पाएंगे। सवाल यह भी है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बेईमानी का मुद्दा उठाने वाली कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में जीतने के बाद चुप क्यों रही। कांग्रेस ने इन तीनों राज्यों में फिर से मतदान कराने या चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप क्यों नहीं लगाया। कांग्रेस मौजूद ज्वलंत मुद्दों पर शायद भाजपा का सामना नहीं कर सके, यही वजह है कि ऐसे पुराने घिसे–पिटे मुद्दे उठा कर बिहार चुनाव जीतने की कवायद में जुटी हुई है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी को यह नहीं पता कि चुनावी प्रक्रिया कैसे काम करती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता है। लेकिन उनका मकसद स्पष्टता नहीं, बल्कि अराजकता फैलाना है। जेडीयू नेता के सी त्यागी ने कहा कि चुनाव आयोग का जितना दुरुपयोग कांग्रेस ने अपने जमाने में किया है उतना किसी ने नहीं किया। मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल को सांसद बनाया और मंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी की जो नीतियां रही हैं पिछड़ों और वंचितों को लेकर उसके चलते उनके वोटो पर पहले ही चोरी नहीं बल्कि डाका पड़ चुका है। त्यागी ने कहा कि बिहार चुनाव से पहले ही राहुल गांधी हार मान चुके हैं। चुनाव आयोग ने अपने जवाब में राहुल गांधी के दावों को निराधार बताया। निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों पर लंबा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं। 24 दिसंबर 2024 को ही कांग्रेस को भेजे अपने जवाब में ये सभी तथ्य सामने रखे थे, जो चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। ऐसा लगता है कि बार–बार ऐसे मुद्दे उठाते हुए इन सभी तथ्यों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि किसी के द्वारा प्रसारित कोई भी गलत सूचना चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी तथा चुनाव कर्मचारियों का मनोबल तोडने वाला होता है, जो इस बड़ी कवायद के लिए अथक परिश्रम करते हैं। आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर लगाए गए निराधार आरोप कानून के शासन का अनादर है। चुनाव आयोग ने यह भी लिखा कि महाराष्ट्र में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 6.41 करोड़ मतदाताओं ने वोट दिया।

क्या असीम मुनीर ने ही अमेरिका को दी थी ईरान के परमाणु ठिकानों की जानकारी?

इसके लिए ट्रंप ने मुनीर के आगे एक नॉन वेज थाली क्या रखी वो सब कुछ उगलते चले गये। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने ही परमाणु तकनीक ईरान, लीबिया और उत्तर कोरिया तक पहुंचाई है। जिस तरह पाकिस्तान अपने परमाणु संपन्न देश होने का फायदा उठाते हुए ष्परमाणु ब्लैकमेलिंगष करता है और वित्तीय सहायता और राजनीतिक रियायतें लेता रहता है वैसा ही ईरान भी ना करने लगे इसके लिए अमेरिका और इजराइल उसे रोकना चाहते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान और पाकिस्तान में एक बड़ी समानता भी है। पाकिस्तान और ईरान ने चरमपंथ और आतंकवाद को विदेश नीति का उपकरण बना लिया है। ईरान ने हूती विद्रोहियों, हिजबुल्ला, बशर अल–असद की सेना और इराकी मिलिशियाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर की अमेरिका यात्रा से जुड़े तथ्य धीरे–धीरे सामने आ रहे हैं जोकि काफी चौंकाने वाले हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मुनीर के लंच से जुड़ी जो खबर पहले सामने आई थी उसमें कहा गया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमले की स्थिति में पाकिस्तानी एअरबेस का उपयोग करने के मुद्दे पर बात की थी लेकिन अब जो बात सामने आ रही है वह काफी आश्चर्यजनक है। हम आपको बता दें कि कहा जा रहा है कि लंच कराने से पहले अमेरिका की ओर से ईरान के परमाणु संयंत्रों का नक्शा मुनीर को दिखाया गया और उनसे इस बात की पुष्टि करवाई गयी कि ईरान कहां पर परमाणु बम बना रहा है। इस मुलाकात के ठीक बाद ही अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने बंकर बलास्टर बम ईरान के परमाणु संयंत्रों पर गिराकर उसे तहस–नहस कर दिया था। इसलिए सवाल उठ रहा है कि अगर पाकिस्तान ने ही अमेरिका को ईरान के परमाणु ठिकानों के बारे में जानकारी लीक की थी तो इस्लामाबाद ने डबल गेम क्यों खेला? एक ओर वह अमेरिका को ईरान की खुफिया जानकारी मुहैया करा रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए ईरान के साथ खड़ा होने की नौटंकी भी कर रहा था। हम आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है कि जब पाकिस्तान ने अपने किसी सहयोगी की पीठ में ही छुरा घोंपा हो। 2022 में काबुल में जब 9/11 हमले का षड्यंत्रकारी और अल कायदा का प्रमुख अयमान अल जवाहिरी मारा गया था तब भी यह बात सामने आई थी कि पाकिस्तान ने ही उसकी गुप्त लोकेशन के बारे में अमेरिका को बताया था। अमेरिका जानता है कि ईरान ही नहीं बल्कि कई और देश जो अपना परमाणु कार्यक्रम चला रहे हैं उन्हें किसी ना किसी तरह पाकिस्तान का सहयोग मिलता है। अमेरिका जानता है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम में भी पाकिस्तान मदद कर रहा है इसलिए वही एक ऐसा देश था जोकि ईरानी परमाणु ठिकानों के बारे में सही जानकारी दे सकता था। इसके लिए ट्रंप ने मुनीर के आगे एक नॉन वेज थाली क्या रखी वो सब कुछ उगलते चले गये। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने ही परमाणु तकनीक ईरान, लीबिया और उत्तर कोरिया तक पहुंचाई है। जिस तरह पाकिस्तान अपने परमाणु संपन्न देश होने का फायदा उठाते हुए ष्परमाणु ब्लैकमेलिंगष करता है और वित्तीय सहायता और राजनीतिक रियायतें लेता रहता है वैसा ही ईरान भी ना करने लगे इसके लिए अमेरिका और इजराइल उसे रोकना चाहते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान और पाकिस्तान में एक बड़ी समानता भी है। पाकिस्तान और ईरान ने चरमपंथ और आतंकवाद को विदेश नीति का उपकरण बना लिया है। ईरान ने हूती विद्रोहियों, हिजबुल्ला, बशर अल–असद की सेना और इराकी मिलिशियाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है तो वहीं पाकिस्तान ने लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे संगठनों को कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए समर्थन दिया। इसके अलावा, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में वर्षों तक गृहयुद्ध को भड़काने वाले गुटों को पाल–पोस कर तैयार किया। देखा जाये तो यह सभी गतिविधियाँ अलग–अलग नहीं हैं बल्कि यह राज्य–प्रायोजित चरमपंथ और आतंकवाद की सुनियोजित रणनीति है। साथ ही इन देशों ने स्थानीय समुदायों जैसे– बलूच, पश्तून, कुर्द, अहवाजी अरब और अजेरी तुर्कों पर जमकर अत्याचार भी किए हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जैसे ही 13 जून से इजराइल ने ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए वैसे ही पाकिस्तान की रणनीतिक बेचौनी और कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा शुरू हो गई थी क्योंकि इस्लामाबाद वर्षों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल क्षमता को आगे बढ़ाने में मदद करता आया है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत ईरान के ष्आत्मरक्षा के अधिकारष का समर्थन भी करता रहा है। हालांकि, जब अमेरिका स्वयं इजराइली कार्रवाइयों में भागीदार बन गया और खाड़ी क्षेत्र अस्थिर हो गया तो पाकिस्तान गंभीर कूटनीतिक दबाव में आ गया। पाकिस्तान के लिए दिक्कत की बात यह है कि उसके दो बड़े आर्थिक साझेदारकृ सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात, ईरान के कट्टर विरोधी हैं। वहीं अमेरिका के साथ पाकिस्तान अपने संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में पाकिस्तान के लिए ईरान को समर्थन देने से इन तीन शक्तिशाली साझेदारों के नाराज होने का खतरा है। हालांकि अब युद्धविराम हो चुका है इसलिए जरूर पाकिस्तान ने कुछ राहत महसूस की होगी। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा निकाय राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने ईरान में अमेरिकी हवाई हमले के बाद क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा करने के लिए बैठक की और इस्लामी राष्ट्र के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक में सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर सहित शीर्ष असैन्य और सैन्य नेतृत्व ने शिरकत की। पाकिस्तान ने सभी संबंधित पक्षों से संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुरूप बातचीत और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष को हल करने का आह्वान किया, तथा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों और मानवीय कानूनों का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया। बताया जा रहा है कि इस बैठक में मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के विवरण से सबको अवगत भी कराया। इसके लिए ट्रंप ने मुनीर के आगे एक नॉन वेज थाली क्या रखी वो सब कुछ उगलते चले गये। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने ही परमाणु तकनीक ईरान, लीबिया और उत्तर कोरिया तक पहुंचाई है। जिस तरह पाकिस्तान अपने परमाणु संपन्न देश होने का फायदा उठाते हुए ष्परमाणु ब्लैकमेलिंगष करता है और वित्तीय सहायता और राजनीतिक रियायतें लेता रहता है वैसा ही ईरान भी ना करने लगे इसके लिए अमेरिका और इजराइल उसे रोकना चाहते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि ईरान और पाकिस्तान में एक बड़ी समानता भी है। पाकिस्तान और ईरान ने चरमपंथ और आतंकवाद को विदेश नीति का उपकरण बना लिया है। ईरान ने हूती विद्रोहियों, हिजबुल्ला, बशर अल–असद की सेना और इराकी मिलिशियाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र में अपने प्रभाव को बढ़ाया है तो वहीं पाकिस्तान ने लश्कर–ए– तैयबा और जैश–ए– मोहम्मद जैसे संगठनों को कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए समर्थन दिया। इसके अलावा, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में वर्षों तक गृहयुद्ध को भड़काने वाले गुटों को पाल–पोस कर तैयार किया। देखा जाये तो यह सभी गतिविधियाँ अलग–अलग नहीं हैं बल्कि यह राज्य–प्रायोजित चरमपंथ और आतंकवाद की सुनियोजित रणनीति है। साथ ही इन देशों ने स्थानीय समुदायों जैसे– बलूच, पश्तून, कुर्द, अहवाजी अरब और अजेरी तुर्कों पर जमकर अत्याचार भी किए हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जैसे ही 13 जून से इजराइल ने ईरान पर सैन्य हमले शुरू किए वैसे ही पाकिस्तान की रणनीतिक बेचौनी और कूटनीतिक संतुलन की परीक्षा शुरू हो गई थी क्योंकि इस्लामाबाद वर्षों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल क्षमता को आगे बढ़ाने में मदद करता आया है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत ईरान के ष्आत्मरक्षा के अधिकारष का समर्थन भी करता रहा है। हालांकि, जब अमेरिका स्वयं इजराइली कार्रवाइयों में भागीदार बन गया और खाड़ी क्षेत्र अस्थिर हो गया तो पाकिस्तान गंभीर कूटनीतिक दबाव में आ गया। पाकिस्तान के लिए दिक्कत की बात यह है कि उसके दो बड़े आर्थिक साझेदारकृ सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात, ईरान के कट्टर विरोधी हैं। वहीं अमेरिका के साथ पाकिस्तान अपने संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में पाकिस्तान के लिए ईरान को समर्थन देने से इन तीन शक्तिशाली साझेदारों के नाराज होने का खतरा है। हालांकि अब युद्धविराम हो चुका है इसलिए जरूर पाकिस्तान ने कुछ राहत महसूस की होगी। हम आपको यह भी बता दें कि पाकिस्तान के शीर्ष सुरक्षा निकाय राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) ने ईरान में अमेरिकी हवाई हमले के बाद क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा करने के लिए बैठक की और इस्लामी राष्ट्र के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है।

इस बारिश कर्मचारी रेन डांस से बचें

इस रविवार नासिक जाते वक्त जब मैं समुद्र तल से 3000 फीट ऊंचाई पर स्थित इगतपुरी से गुजर रहा था तो बादल कार की खिड़की से भीतर आ रहे थे और मुझसे कह रहे थे कि कार से बाहर आओ, एक डांस हो जाए। मैं देख रहा था कि उस छोटे–से हिल स्टेशन पर उससे भी अधिक ज्यादा कारें थीं, जितनी मुम्बई से आते वक्त पूरे 110 किमी के रास्ते में देखी थीं। सभी बादलों का आनंद ले रहे थे। इसी सप्ताह डिप्टी कमिश्नर ने भी कहा कि वहां रोज 15 हजार कारें पहुंची, जबकि शिमला में महज 5000 कारों की पार्किंग है। ये बताता है कि कामकाजी वर्ग नियमित तौर पर ब्रेक लेना चाहता है, खासकर बारिश में, ताकि रिमझिम के बीच डांस कर सके। पर मौसम विभाग की चेतावनी ने मुझे कुछ भी ऐसा करने से रोका, क्योंकि उसने अगले सप्ताह में कई राज्यों में भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी दी है। 23 जून को मप्र के कुछ इलाकों में 24 घंटों में 200 मिमी. से अधिक बारिश का अनुमान है। इसी के साथ कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भी 27 जून तक भारी से अतिभारी बारिश संभावित है। चूंकि मुझे उसी शाम मुम्बई वापस आना था, इसलिए मैं बादलों को फ्लाइंग किस देते हुए गुजर गया। कई नए व पुराने सहकर्मी वीकेंड रेन डांस की फोटो पोस्ट कर रहे थे, जिन्हें देखकर मुझे ईर्ष्या होने लगी। चूंकि, कामकाजी वर्ग वीकेंड पर वहां से दूर था, इसलिए ये नहीं देख पाया कि उनके ऑफिस में कॉर्नर ऑफिस की लाइटें जली थीं। वहां टॉप लीडर्स मिले और इस पर सहमत हुए कि कम कर्मचारी का मतलब है अधिक तेजी से उन्नति। एचआर रिकॉर्ड्स बताते हैं कि बीते कुछ ही समय में अकेले अमेरिका में प्रत्येक पांच में से एक कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में 3.5: की कमी की है। इसी मंगलवार अमेजन के चीफ एक्जिक्यूटिव एंडी जैसी ने कर्मचारियों को दिए नोट में लिखा 'वंस इन ए लाइफटाइम' एआई का उदय अगले कुछ वर्षों में कुछ नौकरियों की जरूरत खत्म कर देगा। इसी माह प्रोक्टर एंड गेंबल ने कहा, 'व्यापक भूमिकाएं व छोटी टीमें बनाने के लिए वो 7000 नौकरियों या गैर विनिर्माण कार्यबल में 15: की कटौती करेगा। हेवलेट पैकर्ड एंटरप्राइजेज (एचपीई) की फाइनेंस चीफ मैरी मायर्स ने इस महीने कर्मियों की कटौती पर निवेशकों से चर्चा में कहा, 'जो जितना समतल होगा, वो उतना तेज होगा'। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले से लेकर अब तक 59 हजार से भी कम कर्मचारियों के साथ ये एचपीई का सबसे छोटा आकार है। टेक निवेशक और अडोबी के पूर्व एग्जीक्यूटिव जेसन लेमकिन ने हाल ही एक वेंचर केपिटल पॉडकास्ट में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र समेत 500 कर्मचारियों या इससे अधिक की जिन भी कंपनियों से मैंने ऑफ द रिकॉर्ड बात की, उन्होंने कहा कि 'मुझे अपनी टीम में 30 से 40: लोगों की जरूरत नहीं है'। हम आसानी से ये महसूस कर सकते हैं कि ब्रिकी और लाभ में बढ़ोतरी के बावजूद कार्यबल में कटौती हो रही है। ये साफ दिखाता है कि कॉरपोरेट जगत कर्मचारियों के मूल्यांकन के तरीके में मौलिक रूप से बदलाव कर रहा है। दूसरी ओर, बारिश आते ही हममें से अधिकतर ने ब्रेक ले लिया, क्योंकि इन दिनों हमारे पास कामकाज ज्यादा था, जिम्मेदारियां ज्यादा थीं और जॉब सिक्योटिरी व भविष्य की संभावनाओं पर डर सता रहा था। नौकरियों में आ रही इस कमी के चलते कर्मचारी तेजी से उस लाभ को खो रहे हैं, जिनका महामारी के दौरान आनंद लिया था, जब नौकरियां पर्याप्त संख्या में थीं और कंपनियां व्हाइट कॉलर प्रतिभाओं के लिए बोली लगा रही थीं। लेकिन जब एआई का दौर बढ़ रहा है और संस्थापकों व मालिकों की नई मानसिकता सामने आ रही है, जैसा हमने ऊपर पढ़ा, तो हमें हर कंपनी में घटती जा रही मैनपॉवर के बारे में जोर–जोर से बज रही चेतावनी की घंटी को अपने बहरे कानों से सुनना चाहिए। अपनी नौकरी पर तलवार चलने से बचने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। फंडा यह है कि इस बारिश में हर किसी को कंपनी के लीकेज देखने चाहिए, कौशल सुधारना चाहिए ताकि उन लीकेज को भरा जा सके। कंपनी की बिक्री और लाभ बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। मेरा मत है कि यदि हमारे हाथ में नौकरी रही तो डांस तो अगली बारिश में भी किया जा सकता है। नौकरियों में आ रही इस कमी के चलते कर्मचारी तेजी से उस लाभ को खो रहे हैं, जिनका महामारी के दौरान आनंद लिया था, जब नौकरियां पर्याप्त संख्या में थीं और कंपनियां व्हाइट कॉलर प्रतिभाओं के लिए बोली लगा रही थीं।

आटा चक्की के पट्टे में फंसकर किशोर की मौत

किशोर इसी चक्की पर मजदूर करता था और स्वयं अपने घर का गेहूं पिसवाने आया था

बाराबंकी (संवाददाता)। कुर्सी क्षेत्र के रौनाहार गांव में को आटा चक्की के पट्टे में फंसकर 15 साल के किशोर की मौत हो गई। घटना के दौरान ही चक्की संचालक मौके से भाग खड़ा हुआ। ग्राहकों ने किसी तरह चक्की का इंजन बंद किया। किशोर इसी चक्की पर मजदूर करता था और बृहस्पतिवार को स्वयं अपने घर का गेहूं पिसवाने आया था।पुलिस के अनुसार मीननगर निवासी शिवा गौतम (15) दो किमी दूर स्थित रौनाहार गांव में मनोज यादव की आटा चक्की व कारखाने में मजदूरी करता था। बृहस्पतिवार सुबह भी शिवा कारखाने पर था। बताते हैं कि उसी दौरान अचानक शिवा की शर्ट का एक कोना चक्की के पट्टे में फंस गया और शिवा भी उसी में लिपटता चला गया।मौके पर मौजूद ग्राहक कुछ देर तो समझ ही नहीं पाए कि हुआ क्या है। जैसे ही लोगों ने देखा कि किशोर पट्टे में फंसा है तो सन्न रह गए। ग्राहकों में से एक ने दौड़कर इंजन बंद कर दिया। कुछ ही देर में पुलिस पहुंच गई। चक्की मालिक मनोज मौके से भाग चुका था।कुर्सी के एसएचओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि किशोर कारखाने पर नौकरी करता था लेकिन बृहस्पतिवार को वह गेंहू पिसवाने गया था। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।शव देखते ही बेसुध हो गए पिता कैलाश गौतम की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण नाबालिग बेटे को आटा चक्की पर नौकरी करने के लिए भेजते थे। कारखाने में मिलने वाली मजदूरी से वह अपने परिवार का खर्च चलाते थे। हादसे की जानकारी होते ही वह मौके पर पहुंचे तो शव देखकर बेसुध हो गए घटना के दौरान ही चक्की संचालक मौके से भाग खड़ा हुआ। ग्राहकों ने किसी तरह चक्की का इंजन बंद किया। किशोर इसी चक्की पर मजदूर करता था और बृहस्पतिवार को स्वयं अपने घर का गेहूं पिसवाने आया था।पुलिस के अनुसार मीननगर निवासी शिवा गौतम (15) दो किमी दूर स्थित रौनाहार गांव में मनोज यादव की आटा चक्की व कारखाने में मजदूरी करता था।

खोदवाएं तालाब, पाएं 52,500 तक का अनुदान

बाराबंकी (संवाददाता)। कृषि विभाग खेत तालाब योजना के तहत तालाब खोदवाने पर 52,500 रुपये तक की सहायता राशि देगा। यह योजना वर्षा जल संचयन और सिंचाई के लिए लाभदायक है। योजना का लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा जो त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) के तहत स्प्रिंकलर या ड्रिप जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली लगवाएंगे। वे किसान भी पात्र होंगे जिन्होंने बीते सात वर्षों में यह प्रणाली लगवाई है और वह अभी भी चालू स्थिति में है।भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. विनोद कुमार यादव ने बताया कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना देवा, फतेहपुर, सूरतगंज, रामनगर, मसौली, सिरौली गौसपुर, पूरेडलई और दरियाबाद ब्लॉकों में लागू की गई है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में जिले को कुल 25 तालाब खोदवाने का लक्ष्य मिला है। इनमें 23 तालाब सामान्य वर्ग के किसानों और दो तालाब अनुसूचित जाति के किसानों के लिए हैं।

जैविक खाद के नाम पर कंपनियों की बोरी में बेच रहे थे गोबर

बाराबंकी (संवाददाता)। मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम गौरा सैलक में रात पकड़ी गई नकली जैविक खाद की फैक्टरी के मामले में बृहस्पतिवार को जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने कार्रवाई की।

उन्होंने मौके पर पहुंचकर नकली खाद के नमूने लिए और ब्रांडेड कंपनियों की बोरियां भी बरामद कीं जिनमें जैविक खाद के नाम पर गोबर भरकर बेचा जा रहा था। मुकदमा दर्ज कराने के लिए उन्होंने डीएम को आख्या भेज दी है।एसडीएम फतेहपुर कार्तिकेय सिंह ने फोन पर मिली सूचना के आधार पर बुधवार शाम राजस्व विभाग की टीम भेजी थी। टीम ने राजेश वर्मा के मकान में नकली जैविक खाद बनाने का सामान व बोरियों में भरी खाद पकड़ी थी।जिला कृषि रक्षा अधिकारी विजय कुमार बृहस्पतिवार को वरिष्ठ प्राविधिक सहायक प्रीतम सिंह व बेलहरा पुलिस चौकी प्रभारी अरविंद कुमार पटेल के साथ गांव जाकर पकड़ी गई खाद के नमूने लिए।

मकान के बाहरी कमरे में संचालित फैक्टरी में किसान का साथी ब्रांड के एक–एक किलो के 38 पैकेट, 350 खाली रैपर, सात खाली गत्ते, साडावीर ब्रांड के आधा–आधा किलो के 32 पैकेट, भूमि वरदान के नौ पैकेट, पैकिंग करने वाली मशीन, गोबर में रसायन मिलाकर रखी 35 किलो की एक बोरी बरामद हुई है।

चार आढ़तियों से 38 लाख ठगे, छह पर केस

बाराबंकी (संवाददाता)। फ्लोर मिल में गेहूं भेजने के नाम पर फर्जी पर्चियां थमाकर चार आढ़तियों से करीब 38 लाख रुपये की ठगी हो गई। बृहस्पतिवार को शहर कोतवाली में मिल के एक कर्मचारी समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। शहर में गल्ले के बड़े आढ़ती आदेश वर्मा, ऋषिकांत जायसवाल, विजय जायसवाल और शिवबक्स वर्मा के साथ ठगी हुई है। इन व्यापारियों ने बताया कि इरफान नाम के व्यक्ति ने खुद को गल्ला व्यापारी बताते हुए ऋषिकांत से चार ट्रॉली गेहूं भेजने की बात कही थी। इस पर ऋषिकांत ने सफदरगंज स्थित फ्लोर मिल में गेहूं गिराने को कहा और वहीं से पर्ची लाकर भुगतान लेने की बात कही थी। 11 जून को इरफान ने राहुल नामक युवक को फर्जी पर्ची के साथ भेजा और 12.67 लाख रुपये का भुगतान ले लिया।

चाकू घोंपकर कर्मचारी की हत्या

बाराबंकी (संवाददाता)। कुर्सी क्षेत्र स्थित एक पशु वधशाला में बृहस्पतिवार को काम के दौरान दो कर्मचारियों के बीच हुई मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। बहस के दौरान एक कर्मचारी ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कर्मचारी की इलाज के दौरान लखनऊ के निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद पशु वधशाला में दहशत का माहौल व्याप्त है। पुलिस के मुताबिक पशु वधशाला में बृहस्पतिवार दोपहर बाद मो. वसी की किसी बात को लेकर वहीं तैनात कुशीनगर जिले के पडरौना निवासी रियाज से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर रियाज ने अचानक वसी पर हमला कर पेट में चाकू घोंप दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कर्मचारी की इलाज के दौरान लखनऊ के निजी अस्पताल में मौत हो गई।

अवासिनपुरवा में 11 दिनों से बिजली नहीं

सीतापुर (संवाददाता)। विद्युत उपकेंद्र मुंशीगंज के नगरा फीडर से जुड़े अवासिनपुरवा गांव में रखा ट्रांसफार्मर 11 दिन पहले खराब हो गया था। 21 जून को ट्रांसफार्मर बदला गया। ग्रामीणों ने बताया कि दो घंटे बाद फिर खराबी आ गई।अब तक ट्रांसफार्मर बदला नहीं जा सका है। गांव की करीब एक हजार आबादी बिना बिजली रहने को मजबूर है। ग्रामीणों को उमस भरी गर्मी में पेयजल, मोबाइल चार्ज करने सहित अन्य दैनिक कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही के चलते गांव में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ठप हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कर्मचारी ट्रांसफार्मर बदलवाने के लिए रुपये की मांग करते हैं। ग्रामीण आशीष शर्मा, रोहित शर्मा, अशोक शर्मा, निकेत, लवकुश, राजू, अनिल, मनोज, केशव, रंजीत आदि ने ट्रांसफार्मर शीघ्र बदले जाने की मांग की है। अवर अभियंता राशिद खान ने बताया कि जल्द ही ट्रांसफार्मर बदला जाएगा।

महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

सीतापुर (संवाददाता)। परागीपुरवा गांव निवासी एक महिला की बुखार की वजह से मौत हो गई। परिजनों ने झोलाछाप पर गलत इलाज करने का आरोप लगाकर हंगामा किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।परागीपुरवा गांव निवासी बबलू ने बताया कि पत्नी प्रेमा (30) दो दिन से बुखार से परेशान थीं। मंगलवार को मधवापुर स्थित झोलाछाप को दिखाया था। बुधवार शाम फिर तेज बुखार आने पर परिजन प्रेमा को लेकर फिर झोलाछाप के पास गए।बबलू का आरोप है कि एक घंटे के अंतराल में झोलाछाप ने तीन बोतल ग्लूकोज की चढ़ाई, जिससे पत्नी की हालत बिगड़ने लगी। इस पर झोलाछापा ने मरीज को घर ले जाने को कहा। रास्ते में ही पत्नी के हाथ–पैर ठंडे पड़ गए और मुंह से झाग आने लगा। कुछ देर में ही प्रेमा की मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।एसओ रामकोट सुरेश पटेल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गला दबाकर की गई थी बालक की हत्या, केस

सीतापुर (संवाददाता)। कस्बा निवासी बालक की गला दबाकर हत्या की गई थी। यह खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ है। इसके आधार पर पुलिस ने इस मामले में हत्या का केस दर्ज कर कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।कस्बा सकरन में बिसवां मार्ग पर स्थित रामजीवन चौहान के घर के भीतर मंगलवार सुबह करीब 11 बजे उनके पुत्र अमित (10) का शव दुपट्टे से बने फंदे से लटकता मिला था। रामजीवन व उसका परिवार अमेठी के गौरीगंज में मजदूरी करने गए थे। घर पर केवल मृतक व उसकी 6 वर्षीय बहन सोनी ही थी। अमित मंगलवार सुबह पड़ोस में रहने वाले दोस्त राजा के साथ बाग में आम खाने गया था। उसकी बहन सोनी राजा के घर पर थी। राजा ने ही सोनी को फांसी की सूचना दी थी।थानाध्यक्ष नवनीत मिश्र ने बताया कि बुधवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा किए गए पोस्टमार्टम में अमित की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई।

एक माह से बिजली गुल, पूर्व विधायक संग धरने पर बैठे ग्रामीण

सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता भी ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे

सीतापुर (संवाददाता)। विद्युत उपकेंद्र देवगवां के गड़ासा गांव के ग्रामीण एक माह से बिजली को तरस रहे हैं। इससे खफा ग्रामीणों ने देर शाम उपकेंद्र परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता भी ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने अधिशासी अभियंता से बात की।

जल्द आपूर्ति बहाल होने के आश्वासन पर देर रात धरना समाप्त हुआ।जसकरन लाल, मिश्रीलाल, गीता, मनोज, सुशील, नत्थूलाल ने बताया कि अधिक लोड होने के कारण ट्रांसफार्मर खराब होने तथा केबल जलने आदि की समस्या के कारण ग्रामीणों को एक माह से सुचारु विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। गर्मी की वजह से ग्रामीण परेशान हैं। घरेलू उपकरण ठप हैं। अधिशासी अभियंता के आश्वासन के बावजूद गांव की विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। अवर अभियंता राजेश गौतम ने बताया कि केबल आने के बाद शुक्रवार तक समस्या का निदान होगा।नहीं उठता है एसडीओ का फोन प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने देवगवां के एसडीओ व जेई को फोन किया। दोनों अधिकारियों का फोन नहीं उठा। इसके बाद पूर्व विधायक ने अधिशासी अभियंता से वार्ता की। ग्रामीणों ने बताया कि एसडीओ व जेई फोन ही नहीं उठाते हैं। जब कभी कार्यालय पर मिल भी जाते हैं तो सही से बात नहीं करते हैं। जैसे ग्रामीण अपराधी हैं। इससे खफा ग्रामीणों ने देर शाम उपकेंद्र परिसर में जमकर हंगामा किया। सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक अनूप गुप्ता भी ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने अधिशासी अभियंता से बात की। जल्द आपूर्ति बहाल होने के आश्वासन पर देर रात धरना समाप्त हुआ।जसकरन लाल, मिश्रीलाल, गीता, मनोज, सुशील, नत्थूलाल ने बताया कि अधिक लोड होने के कारण ट्रांसफार्मर खराब होने तथा केबल जलने आदि की समस्या के कारण ग्रामीणों को एक माह से सुचारु विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। गर्मी की वजह से ग्रामीण परेशान हैं। घरेलू उपकरण ठप हैं। अधिशासी अभियंता के आश्वासन के बावजूद गांव की विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। अवर अभियंता राजेश गौतम ने बताया कि केबल आने के बाद शुक्रवार तक समस्या का निदान होगा।नहीं उठता है एसडीओ का फोन प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक अनूप गुप्ता ने देवगवां के एसडीओ व जेई को फोन किया। दोनों अधिकारियों का फोन नहीं उठा। इसके बाद पूर्व विधायक ने अधिशासी अभियंता से वार्ता की। ग्रामीणों ने बताया कि एसडीओ व जेई फोन ही नहीं उठाते हैं।

बारहसिंगा पर कुत्तों ने किया हमला

फतेहपुर (बाराबंकी) (संवाददाता)। जंगल से भ्रमण करते हुए एक बारहसिंगा बृहस्पतिवार को आबादी क्षेत्र में पहुंच गया। इस दौरान गांव के कुत्तों ने उस पर हमला कर कई जगह काट कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाकर बारहसिंगा की जान बचाते हुए उसे वन विभाग के हवाले किया वन रेंज अधिकारी पीके सिंह ने बताया कि वन दरोगा मुनेश्वर प्रसाद ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल बारहसिंगा को सुरजनपुर वन पौधशाला में रखा है। स्वस्थ होने पर उसे जंगल में छोड़ा जाएगा। स दौरान गांव के कुत्तों ने उस पर हमला कर कई जगह काट कर घायल कर दिया। ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाकर बारहसिंगा की जान बचाते हुए उसे वन विभाग के हवाले किया वन रेंज अधिकारी पीके सिंह ने बताया कि वन दरोगा।

प्राइवेट अस्पताल की महिला कर्मी ने सरकारी अस्पताल से चोरी किया छह दिन का बच्चा, हिरासत में

हरदोई (संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध महिला चिकित्सालय से छह दिन का बच्चा बृहस्पतिवार सुबह तीन बजे चोरी हो गया।घटना का पता चलते ही सनसनी फैल गई। तकरीबन पौने नौ घंटे बाद पुलिस ने एक प्राइवेट अस्पताल की महिला कर्मी को हिरासत में लेकर नवजात खोज निकाला। घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की। टीम में शामिल सभी पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। बिलहरी निवासी शिवाकांत दीक्षित की पत्नी निधि दीक्षित को प्रसव पीड़ा होने पर 19 जून को महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। 19 जून को ही ऑपरेशन से निधि का प्रसव हुआ और उसने बेटे को जन्म दिया। प्रसव के बाद उसे अस्पताल के ही कमरा नंबर–36 में शिफ्ट कर दिया गया था। बुधवार रात निधि की मां शिववती और पति शिवाकांत अस्पताल में रुके थे। शिवाकांत के मुताबिक वह रात में दो बजे तक जाग रहे थे, बच्चा शिववती की गोद में था। सुबह तीन बजे आंख खुलने पर बच्चा नहीं दिखा। पहले तो उसने अस्पताल परिसर में ही मौजूद लोगों से पूछा। फिर अस्पताल के कर्मचारियों से जानकारी ली।इसके बाद सुबह साढ़े चार बजे यूपी 112 पर घटना की जानकारी दी। नवजात चोरी होने की जानकारी पर सीओ सिटी अंकित मिश्रा, शहर कोतवाल संजय त्यागी, रेलवेगंज चौकी प्रभारी विश्वास शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। परिजनों से जानकारी करने के बाद अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों से फुटेज देखने के बाद अस्पताल कर्मियों से पूछताछ की। यहां मौजूद ज्यादातर लोग कुछ नहीं बता पाए, लेकिन इतना जरूर पता चला कि एक महिला चुन्नी में कुछ छिपाकर ले जा रही थी।महिला के स्टेशन की तरफ जाने की जानकारी मिली तो पुलिस ने इसी रोड पर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे। इसमें संदिग्ध महिला के बारे में पूछा गया तो पता चला कि महिला अस्पताल की ही कर्मचारी है। उसका पता लेकर पुलिस टीम शहर कोतवाली क्षेत्र के फर्दापुर गांव पहुंची। यहां नवजात को गोद में लेकर फर्दापुर निवासी प्रियंका राठौर बैठी मिलीं। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने महिला अस्पताल से बच्चा चोरी करने की बात स्वीकार की।इसके बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया। बच्चे को पुलिस टीम ने निधि को सौंप दिया। एसपी नीरज कुमार जादौन भी टीम के साथ प्रसूता और उसके परिजनों से मिलने पहुंचे। एसपी ने बताया कि हिरासत में ली गई प्रियंका राठौर से पूछताछ की जा रही है। बच्चा चोरी क्यों किया था इसकी स्पष्ट वजह अभी महिला ने नहीं बताई है। इस टीम ने किया घटना का खुलासा एसपी ने बताया कि खुलासा करने वाली टीम का नेतृत्व सीओ अंकित मिश्रा ने किया। इस टीम में शहर कोतवाल संजय त्यागी, रेलवेगंज चौकी प्रभारी विश्वास शमा गौरव कुमार, प्रवींद्र, ओमवीर और महिला सिपाही रूबी देवी शामिल रहीं।

एडीओ पंचायत गांवों में काम और खर्च को गति दें : डीपीआरओ

हरदोई (संवाददाता)। गांवों के विकास और खर्च में लापरवाही करने वाले प्रधान और पंचायत सचिवों को चिह्नित किया जाए। सहायक विकास अधिकारी पंचायत गांवों में काम और खर्च को गति दें। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह ने काम और खर्च की पिछड़ी स्थिति पर नाराजगी जाहिर की। डीपीआरओ ने बृहस्पतिवार को गांवों में विकास और खर्च की पिछड़ी स्थिति पर वर्चुअल संवाद किया। गांवों में काम और खर्च की खराब स्थिति पर अमर उजाला ने 26 जून को 'काम और खर्च में 90 ग्राम पंचायतें पिछड़ीं खातों में डंप गांवों के विकास के रुपये' शीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।डीपीआरओ ने खबर का संज्ञान लिया। सभी एडीओ से काम और खर्च को गति देने के निर्देश। 15वां वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग की मद में काम और खर्च की ब्लॉकवार स्थिति की समीक्षा की। खर्च में पिछड़े तीन–तीन विकास खंडों के सहायक विकास अधिकारियों को स्पष्ट किया।

गड़बड़ी पर निलंबित प्रधान समेत चार से जवाब-तलब

हरदोई (संवाददाता)। गांवों में विकास कार्यों और भुगतान में गड़बड़ी पर निलंबित प्रधान समेत चार को नोटिस दिया गया। डीएम अनुनय झा ने गड़बड़ी पर सभी से साक्ष्य सहित जवाब मांगे हैं। प्रधान को चेतावनी दी कि साक्ष्य सहित जवाब न आने पर पद से हटाए जाने की कार्रवाई की जाएगी। विकास खंड भरावन की ग्राम पंचायत पीपरगांव में गड़बड़ी की शिकायत किसान शक्ति महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नीमडांडा निवासी नीरज कुमार शुक्ला व पीपरगांव निवासी रामशंकर ने की थी। जिस पर डीएम ने सहायक निदेशक मत्स्य व जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता से जांच कराई थी। बताया कि जांच में गड़बड़ी की पुष्टि पर प्रधान सुमन को निलंबित कर दिया गया था।पंचायत सचिव राहुल कुमार सिंह, अनिल कुमार वर्मा और तकनीकी सहायक आशुतोष दीक्षित से जवाब–तलब किए गए थे। बताया कि राहुल कुमार सिंह और अनिल कुमार वर्मा ग्राम विकास अधिकारी के पद से पदोन्नति पाकर सहायक विकास अधिकारी सहकारिता हुए हैं। इन दोनों को सहायक निबंधक के माध्यम से नोटिस दिया गया है। अंतिम जांच सहकारिता विभाग के सहायक निबंधक और पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता से कराई गई है। जांच रिपोर्ट में कहा कि इंटरलॉकिंग का काम नहीं कराया गया है। एस्टीमेट में ओवर राइटिंग की गई है। पंचायत भवन बंद मिला। एक कंप्यूटर सिस्टम ही मिला।

बिजली चोरी करते तीन को पकड़ा

सीतापुर (संवाददाता)। कनवाखेड़ा में चेकिंग के दौरान बिजली विभाग की टीम ने तीन लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ लिया। अवर अभियंता ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। कनवाखेड़ा फीडर पर लाइनलॉस ज्यादा हो रहा है। बिजली विभाग को यहां पर काफी दिनों से बिजली चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। अवर अभियंता अतुल कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने बुधवार देर शाम गंगापुर कालिकाबक्स गांव में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कौशन कुमार, रामआसरे व सुंदरलाल घर के पास लगे बिजली के खंभे से चोरी से केबल जोड़कर बिजली का उपभोग कर रहे थे।

घर में फंदे से झूलते मिला पत्नी का शव, पति डायल 112 में है तैनात- जांच में जुटी पुलिस

गोरखपुर (संवाददाता)। शाहपुर थाना क्षेत्र के बिछिया अकोलवा में बृहस्पतिवार की सुबह एक सिपाही की पत्नी का शव फंदे से लटकता मिला। सिपाही अमित राय डायल 112 में कैंट थाने में तैनात हैं। बताया जा रहा है कि साधना राय (32) पति के शराब की लत से परेशान थीं। सूचना मिलने पर सीमा के परिजनों ने शव को उतारने से मना कर दिया। जानकारी के मुताबिक, अमित राय अकोलवा में परिवार संग किराए के मकान में रहते थे। उनका एक आठ साल का बेटा और तीन साल की बेटी है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की सुबह वह ड्यूटी पर गए थे। बेटा डिवाइन पब्लिक स्कूल में पढ़ने गया था। बेटी के रोने की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग अंदर आए। तब साधना का शव पर्दे के फंदे से लटक रहा था। पड़ोस के लोगों ने शाहपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने साधना के परिजनों को मामले के बारे में जानकारी दी। मायके वालों ने शव को उतारने से मना कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सिपाही अमित राय डायल 112 में कैंट थाने में तैनात हैं। बताया जा रहा है कि साधना राय (32) पति के शराब की लत से परेशान थीं। सूचना मिलने पर सीमा के परिजनों ने शव को उतारने से मना कर दिया। जानकारी के मुताबिक, अमित राय अकोलवा में परिवार संग किराए के मकान में रहते थे। उनका एक आठ साल का बेटा और तीन साल की बेटी है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की सुबह वह ड्यूटी पर गए थे। बेटा डिवाइन पब्लिक स्कूल में पढ़ने गया था।

साली का किया यौन शोषण..केस दर्ज

गोरखपुर (संवाददाता)। गोरखनाथ क्षेत्र में एक युवक ने अपने पेट में चाकू मारने के बाद जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि साली ने उसपर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए की दर्ज कराया था। उसी के बाद उसने ऐसा कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक, गीडा थाना क्षेत्र के एक युवक की शादी गोरखनाथ क्षेत्र की युवती से हुई थी। इसके बाद युवक के भाई और साली में प्रेम प्रसंग चलने लगा। साली का आरोप है कि प्रेम प्रसंग की जानकारी के बाद जीजा ने धमकी देकर उसका यौन शोषण किया। इसके फोटो और वीडियो भी बना लिए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। शादी के बाद युवक दिल्ली में रहकर नौकरी करता था। बहन से संबंध के बारे में जानकारी होने पर युवक की पत्नी दिल्ली से मायके चली आई। मामले में 19 जून को गोरखनाथ थाने में केस दर्ज किया गया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली से आने के बाद बृहस्पतिवार को युवक गोरखनाथ क्षेत्र अपने ससुराल पहुंचा था।

ऑनलाइन होगी रजिस्ट्री, बदलेंगे जटिल नियम, रजिस्ट्रेशन एक्ट-१९०८ में बदलाव के लिए भेजे गए सुझाव

गोरखपुर (संवाददाता)। जल्द ही देशभर में जमीन–मकान की रजिस्ट्री का एक नियम होगा। अब ऑनलाइन रजिस्ट्री करा सकेंगे, निबंधन कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए सभी दस्तावेजों का विक्रय अनुबंध, पावर ऑफ अटॉर्नी और अन्य दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

दस्तावेजों को आधार कार्ड और पैन कार्ड से लिंक किया जाएगा। 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए प्रदेश के सभी 17 मंडलों के निबंधन कार्यालय से सुझाव मांगे गए थे, गोरखपुर मंडल में गठित छह सदस्यीय टीम के सुझाव मुख्यालय भेज दिए गए हैं। केंद्र सरकार पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए बिल लाने की तैयारी कर रही है। शासन के निर्देश पर डीआईजी स्टांप ने गोरखपुर मंडल में कमेटी गठित की थी, जिसमें गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के एआईजी स्टांप के अलावा चौरीचौरा और महराजगंज के सब रजिस्ट्रार शामिल थे। कमेटी ने रजिस्ट्रेशन एक्ट के जटिल नियमों को सरल बनाने और रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बिंदुवार सुझाव विभाग को सौंपे थे। सुझावों की समीक्षा के बाद दो दिन पहले रिपोर्ट मुख्यालय को भेज दी गई है। जानकारी के मुताबिक, रजिस्ट्री के सारे काम मैनुअल की जगह डिजिटल करने, हर प्रॉपर्टी को आईडी आधारित कराने, फर्जी रजिस्ट्री की जानकारी होने पर उसे निरस्त करने के लिए सब रजिस्ट्रार का अधिकार बढ़ाने, सभी दस्तावेज को ऑनलाइन अपलोड करने सहित 20 से ज्यादा बिंदुओ पर सुझाव भेजे गए हैं। साथ ही ऑनलाइन व्यवस्था में होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए भी सुझाव दिए गए हैं। माना जा रहा है कि सभी मंडलों से सुझाव आने के बाद प्रदेश सरकार अपनी रिपोर्ट केंद्र को भेजेगी। रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 में बदलाव के लिए प्रदेश स्तर पर सुझाव मांगे गए थे। इसके लिए गोरखपुर मंडल में छह सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी। कमेटी से मिले सुझावों की समीक्षा करने के बाद रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। इसके लिए सभी दस्तावेजों का विक्रय अनुबंध, पावर ऑफ अटॉर्नी और अन्य दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। दस्तावेजों को आधार कार्ड और पैन कार्ड से लिंक किया जाएगा। 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए प्रदेश के सभी 17 मंडलों के निबंधन कार्यालय से सुझाव मांगे गए थे, गोरखपुर मंडल में गठित छह सदस्यीय टीम के सुझाव मुख्यालय भेज दिए गए हैं। केंद्र सरकार पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए बिल लाने की तैयारी कर रही है। शासन के निर्देश पर डीआईजी स्टांप ने गोरखपुर मंडल में कमेटी गठित की थी,।

डीएम ने खाद वितरण की संभाली कमान

सीतापुर (संवाददाता)। एआर कोऑपरेटिव की लापरवाही के कारण साधन सहकारी समितियों तक खाद नहीं पहुंच रही थी। अमर उजाला ने लगातार इस मसले को प्रमुखता से प्रकाशित किया। सहकारी समितियों में ताला लगे होने और खाद उपलब्धता न होने की समस्या का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार के अंक में इस समस्या को प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था। इसके बाद समितियों को यूरिया उपलब्ध कराई गई है। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने जिले में खाद की उपलब्धता की कमान संभाली। उन्होंने एआर कोऑपरेटिव को लापरवाह रवैये के लिए फटकार लगाई। किसानों का फोन न उठाने पर कार्यवाही के लिए भी चेताया। इसके बाद साधन सहकारी समितियों तक खाद की उपलब्धता को खुद देखा।

मोहर्रम और श्रावण मास के पर्व को लेकर थाना कोतवाली उतरौला के परिसर में एक पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

उतरौला बलरामपुर

मुहर्रम व श्रावण मास के दौरान क्षेत्र में आप सी सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से शांति समि ति के सदस्यों, ताजिये दारों व धर्मगुरुओं की एक बैठक कोतवाली परिसर में आयोजित की गई। बैठक के दौरान पर्वों में आने वाली सभी समस्याओं को सुनकर उनके सम योचित निदान का आश्वासन अधिकारियों ने दिया। बैठक को सम्बोधित करते हुए उपजिलाधि ाकारी राजेन्द्र बहादुर ने कहा कि क्षेत्र की एकता बनाए रखने में संभ्रांत जन लोग प्रशासन का सहयोग करें, और पर्व को पारम्परिक रीति– रिवाजों के साथ मनाएं। सीओ राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि मुहर्रम के दौरा न कोई नहीं परम्परा नहीं डाली जाएगी। पूर्व में निर्धारित स्थानों से जुलूस निकालाजाएगा। तथा ताजिया विसर्जन के लिए तय स्थान के अतिरिक्त अन्य कोई स्थान की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुहर्रम जुलू स के दौरान अस्त्र–शस्त्र का प्रदर्शन पर पूरी तरह से रोक है और जुलूस में शामिल सम्भ्रां त जन इस पर अमल कराने का काम करेंगे। श्रावण के दौरान कांवड़ यात्राएं भी निकलेंगी। मन्दिरों पर जलाभिषेक के लिए भी श्रद्धालुओं का आना जाना रहेगा। इस दौरान भक्तों की भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधियों से सभी को बचना होगा। असामाजिक तत्वों व मनचलों से निपटने के लिए महिला पुरुष आरक्षी पिकेट ड्यूटी,पेट्रोलिंग करते रहेंगे, साथ ही साथ संवेदन शील स्थानों, धार्मिक स्थलों व चौराहों पर सिविल ड्रेस में पुलिस बल तैनात रहेंगे। मुहर्रम जुलूस के दौरान लम्बी बिजली कटौती का मुद्दा उठाते हुए फणींद्र गुप्त ने कहा कि अब जब कि पूरे नगर में ए बी सी लग चुका है तो गर्मी में लम्बी बिजली की कटौती को बन्द किया जाए। सुन्नी जामा मस्जिद के मौलाना अख्तर रजा ने नवीं मुहर्रम की रात ताजिया देखने आने वाली महिलाओं के साथ अभद्रता होने व नव जवानों के हुड़दंग पर रोक लगाने की मांग रखी है। शिया समुदाय कमेटी के अध्यक्ष ऐमन रिजवी ने रात में निकलने वाले जुलूसों की सुरक्षा,सड़कों की सफाई व गलियों में पर प्रकाश की निर्बाध व्यवस्था रखने का प्रस्ताव रखा है। प्रभारी निरीक्षक अवधेश राज सिंह ने कहा कि प्रशा सन मनचलों, हुड़दंगियों और अराजक तत्वों से निपटने के लिए पूरी कार्य योजना तैयार कर चुका है। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जाएंगे। नगर पालिका के ई ओ राजमणि वर्मा ने कहा कि त्योहारों में साफ सफाई व चूने की व्यवस्था सम्पूर्ण रूप से किया जाएगा। इस मौके पर मोहम्मद अबरार खौ,त्अब्दुल करीम, समीर रिजवी, अब्दुल कय्यूम खां, वही द अहमद,प्रधान सद्दाम हुसैन,प्रधान प्रतिनिधि कुर्बान शाह,पीर मोहम्मद शाह, प्रधान अकबर अली,आफाक कुरैशी,प्रधान अक्कू,ताज मोहम्मद खां सभासद, मौलाना मेराज अहमद खां,सभासद प्रतिनिधि तुराब शाह सहित तमाम संभ्रांत व्यक्ति व पुलिस बल मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न

जिले में 01 से 07 जुलाई तक वृहद पौधरोपण कर मनाया जायेगा 'वन महोत्सव'–जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 27 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में प्रतिदिन निकलने वाले वेस्टेज की सूचना नियमित रूप से प्रेषित की जाए। इसके अलावा पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान की जाए। उन्होने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में घूर–गड्ढों की जगह चिन्हित कर खाली करायी जाए और उन्हें डम्पिंग प्वाइंट बनाया जाए। इसके अलावा बैठक में प्लास्टिक अपशिष्ट के डोर टू डोर कलेक्शन की वर्तमान स्थिति, सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओ के प्रयोग निषिद्व किये जाने तथा दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही किये जाने एवं एम0आर0एफ सेंटर के कार्य प्रगति के वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशानुसार 01 से 07 जुलाई, 2025 तक वन महोत्सव मनाया जाना है। जिसमें शासन द्वारा वर्ष 2025–26 में जनपद हेतु 47,14,640 पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें वन विभाग–26,00,000 पौध तथा अन्य विभागों द्वारा 21,14,640 पौध रोपण हेतु लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होने कहा कि समस्त विभागीय अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित करते हुए जन सहभागिता से वर्ष 2025–26 में वृहद स्तर पर पौधों का रोपण कराकर 'वन महोत्सव' के रूप में मनाया जायेगा। जिसके लिए पौध रोपण का लक्ष्य विभागवार आवंटित किया गया है। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूर्व वर्षो की भांति ही विभिन्न विभागों द्वारा पौधरोपण किया जाना है, उसकी कार्ययोजना बना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि पौधरोपण के एक सप्ताह के अन्दर उनकी जियो टैगिंग भी करायी जाए।

बैठक का संचालन प्रभागीय वनाधिकारी धनराज मीणा ने किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, जिला पंचायत राज अधिकारी नन्दलाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सहित एस0एस0बी0 के अधिकारीगण व अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीसीएस अफसर के घर पहुंचे ईडी के अधिकारी

सीतापुर (संवाददाता)। उत्तराखंड प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीमों ने बृहस्पतिवार को महोली के बद्दापुर गांव के पैतृक निवासी उत्तराखंड के पीसीएस अफसर दिनेश प्रताप सिंह के आवास को खंगाला। सुबह करीब सात बजे छह इनोवा गाड़ियों से पहुंची ईडी की दो टीमों ने दो अलग–अलग स्थानों पर छापा मारा। इसमें एक दिनेश प्रताप सिंह का पैतृक आवास और दूसरा भुड़िया गांव निवासी राजेश सिंह का घर था। दिनेश प्रताप सिंह उत्तराखंड डोईवाला चीनी मिल में कार्यकारी निदेशक के पद पर तैनात हैं। उन पर वर्ष 2017 में एनएच 74 चौड़ीकरण के नाम पर करीब 200 करोड़ से अधिक की धनराशि के गबन का आरोप है। इसी घोटाले की कड़ियां खोजते हुए ईडी टीम बृहस्पतिवार को उनके आवास पहुंची।सूत्रों के अनुसार ईडी को बद्दापुर में दिनेश प्रताप सिंह के भाई नरेंद्र सिंह मिले।

चेस्ट रोगियों को छह दिन मिलेगा उपचार

हरदोई (संवाददाता)। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की ओपीडी में चेस्ट रोग विभाग में हर रोज मरीजों को परामर्श मिलेगा। विशेषज्ञ चिकित्सक तो तीन दिन मिलेंगे, लेकिन जूनियर चिकित्सक मरीजों के इलाज के लिए छह दिन मौजूद रहेंगे। तीन दिन विशेषज्ञ न होने से जूनियर भी टहल जाते थे। अमर उजाला में खबर प्रकाशन के बाद मेडिकल कॉलेज प्राचार्य ने सभी छह दिन ओपीडी संचालित कर मरीजों को परामर्श देने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के दावे भले ही किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उनकी हकीकत कुछ और ही है। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला चिकित्सालय की ओपीडी में क्षय रोग और चेस्ट रोग के उपचार के लिए सभी छह दिन ओपीडी संचालित नहीं हो रही थी।

उर्वरक निरीक्षकों द्वारा उर्वरक प्रतिष्ठानों का किया गया औचक निरीक्षण

श्रावस्ती, 27 जून, 2025। सू0वि0। जिला कृषि अधिकारी के निर्देशानुसार वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप–एध्उर्वरक निरीक्षक अश्वनी कुमार एवं डॉ० शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा विकासखंड सिरसिया के अन्तर्गत साधन सहकारी समिति भरथाकलां, यादव जनरल एवं बीज भण्डार, यादव खाद बीज भण्डार, वर्मा ट्रेडर्स, किसान सेवा केन्द्र एवं विकास खण्ड जमुनहा अन्तर्गत पूजा किसान सेवा केन्द्र पटना मल्हीपुर, पाण्डेय किसान सेवा केन्द्र (थोकध्फुटकर), श्री देव ट्रेडर्स आदि प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के समय उक्त प्रतिष्ठानों के गोदाम, स्टॉक व वितरण रजिस्टर एवं पी०ओ०एस० मशीन से स्टॉक का मिलान किया गया। जिन प्रतिष्ठानों पर अनियमितता पायी गयी उनके विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश में निहित प्राविधानों के विरूद्ध निलम्बनध्कारण बताओं नोटिस जारी किया गया।

इस अवसर पर अन्य कर्मचारीगण तथा सम्बन्धित उर्वरक विक्रेतागण उपस्थित रहे।

स्कूल के समायोजन का प्रस्ताव पारित हो गया है।

उतरौला बलरामपुर

परिषदीय स्कूलों मे 50 से कम छात्रों वाले स्कूलों का पास के स्कूलों में समायोजन किया जा रहा है इसी क्रम में गैंड़ास बुजुर्ग के करमहिया में ग्राम शिक्षा समिति की बैठक में सर्वसम्मति से समायोजन को मंजूरी दी गयी। प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश ने प्रस्ताव के संबंध में बताया कि पेयरिंग से एक तरफ स्कूल में छात्रों की संख्या बढ़ेगी तो दूसरी तरफ स्कूलों में अध्यापकों की संख्या बढ़ने से शैक्षिक गुणवत्ता में भी सुधार होगा। बैठक में उपाध्यक्ष जानकी समेत सदस्य आरती, अकबर अली, अतीउल्ला, रूखसार, मोनिका, सुनीता, सावित्री, साबिया बेगम मौजूद रहे।

अपर जिलाधिकारी के अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को स्वैच्छिक रूप से मदद करने वाले व्यक्तियों को किया जाएगा पुरस्कृत–अपर जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 27 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कम से कम करने के संबंध में किए जाने वाले उपायों पर चर्चा की गई। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने जिलें में यातायात नियमों का शत–प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पॉटो की स्थिति एवं उन पर किये जाने वाले सुधारात्मक कार्य तथा नवीन ब्लैक स्पाट्स हेतु चिन्हांकन किया जाए एवं दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जाये। शहर के प्रमुख मार्गो पर सड़क सुरक्षा चिन्हों का बोर्डध्संकेतांक, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिंग (कलर), रंबलिंग स्ट्रिप बनाये जाएं। मार्गो के मोड़ पर, डिवाइडर व सड़क के किनारे पेड़ों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया जाए, जिससे सड़क दुर्घटना में कमी लायी जा सके।

अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा नियमों के प्रचार–प्रसार के साथप्रवर्तन की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि सड़क दुर्घटना होने की स्थिति में तुरंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध करायी जाए। जिससे गोल्डेन आवर (दुर्घटना से 01 घण्टा) में घायलों को उचित इलाज मिल सके। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को केंद्र सरकार के नए नियमों के अनुसार अब रू0 25000 नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पहले यह राशि रू0 5000 थी। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को सरकार द्वारा ''राहवीर'' का नया नाम दिया गया है। राहवीरों को नकद पुरस्कार के साथ–साथ प्रशस्ति पत्र देकर भी सम्मानित किया जायेगा। समिति द्वारा यह अपील भी की गई कि सरकार की इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को ससमय अस्पताल पहुंचाकर अमूल्य जीवन को बचाया जा सके। इसके अलावा बैठक में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाये जाने एवं अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी वी0के0 मिश्र, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाइक की टक्कर से अधेड़ की मौत

हरदोई (संवाददाता)। समधी की तेरहवीं में शामिल होने जा रहे बाइकसवार दंपती व पोती को बाइक ने टक्कर मार दी। माधौगंज–सेलापुर मार्ग पर हुई घटना में घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज लाया गया। बुधवार रात यहां चिकित्सक ने अधेड़ व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। पत्नी व पोती का इलाज किया गया। बिलग्राम नगर के सुलहाड़ा मोहल्ला निवासी शिवराम (59) सिलाई करते थे। उनके बड़े पुत्र संजय के ससुर मल्लावां नगर के मोहिद्दीनपुर निवासी अमरलाल की बुधवार को तेरहवीं थी। उसी में शामिल होने के लिए शिवराम, अपनी पत्नी राममूर्ति (55) व पोती वंशिका (7) पुत्री संजय के साथ बाइक से बुधवार की सुबह गए थे। देर शाम तीनों घर वापस आ रहे थे।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जनसमस्याएं

शिकायतों के निस्तारण में समय–सीमा का विशेष ध्यान रखें सम्बन्धित अधिकारीगण–जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 27 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने प्रतिदिन की तरह शुक्रवार को भी कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 15 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तीन दिवस में निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने यह भी निर्देश दिया है कि शिकायतो का निस्तारण कागज पर नही बल्कि धरातल पर दिखे यह सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारी सुनिश्चित करे नही तो कार्यवाही के लिए तैयार रहे। उन्होने यह भी बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रतिमाह जन शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जनता दर्शन में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुना जाए तथा गुणवत्तापूर्ण ढंग से समस्याओं का निस्तारण प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए और शिकायतों के निस्तारण में समय–सीमा का विशेष ध्यान रखे, ताकि फरियादियों को किसी प्रकार की समस्या न हो।

एक वर्ष में 13 फीसदी राजस्व की रिकॉर्ड वृद्धि, लखनऊ जोन ने कमाया 33 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व

लखनऊ (संवाददाता)। सेंट्रल जीएसटी के लखनऊ जोन ने एक वर्ष में 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। जीएसटी के रूप में 22321 करोड़ व एक्साइज के रूप में 11 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व भी अर्जित किया है। एक वर्ष में यूपी में 1.33 लाख नए व्यापारी जोड़े हैं। 1345 करोड़ की कर चोरी भी पकड़ी है। ये उपलब्धि विभाग ने सिर्फ 113 अधीक्षकों के दम पर हासिल की है, जो एक रिकॉर्ड है। इस राजस्व में नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ जोन शामिल नहीं है। सेंट्रल जीएसटी का लखनऊ जोन देश के सबसे महत्वपूर्ण जोन में से एक है। यहां सबसे ज्यादा करदाता हैं। लखनऊ जोन में प्रति रेंज औसत करदाताओं की संख्या करीब 4600 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 1700 का है। राजस्व के मामले में भी इसका बड़ा योगदान है। अकेले इस जोन में 6.45 लाख से ज्यादा करदाता हैं। पिछले एक वर्ष में सेंट्रल जीएसटी में 1.33 लाख नए करदाता जुड़े हैं। लखनऊ जोन ने सीमित कार्यबल में एक और उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 24–25 में 1345 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी, जबकि 23–24 में 484 करोड़ की कर चोरी पकड़ी गई थी। यानी एक वर्ष में टैक्स चोरी की रकम तीन गुना ज्यादा पकड़ी गई, जो यूपी में सबसे ज्यादा है। दो वर्ष में करीब 700 करोड़ रुपये टैक्स चोरों से जमा भी कराए गए। सेंट्रल जीएसटी लखनऊ जोन की स्थिति कुल करदाता 6.45 लाख रेंज और डिवीजन 140 व 26 अधीक्षक 113 प्रति रेंज औसत करदाता 4600 राजस्व के लिहाज से उपलब्धि जीएसटी वर्ष 24–25 22321 करोड़ जीएसटी वर्ष 23–24 19806 करोड़ सालाना ग्रोथ 13 फीसदी सेंट्रल एक्साइज वर्ष 24–25 11053 करोड़ सेंट्रल एक्साइज वर्ष 23–24 12755 करोड़ कुल रिफंड दिया 565 करोड़ चीफ कमिश्नर जीएसटी प्रदीप कुमार कटियार का कहना है कि लखनऊ जोन ने 113 अधीक्षकों की टीम के साथ जीएसटी के रूप में 22321 करोड़ और सेंट्रल एक्साइज के रूप में 11 हजार करोड़ से ज्यादा का राजस्व हासिल किया है। जोन ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की है। वित्तमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि ईमानदार करदाताओं की मदद करें और उनका सम्मान करें। उनकी समस्याओं का निस्तारण विभाग की शीर्ष प्राथमिकता है। सेंट्रल जीएसटी का लखनऊ जोन देश के सबसे महत्वपूर्ण जोन में से एक है। यहां सबसे ज्यादा करदाता हैं। लखनऊ जोन में प्रति रेंज औसत करदाताओं की संख्या करीब 4600 है, जबकि राष्ट्रीय औसत 1700 का है। राजस्व के मामले में भी इसका बड़ा योगदान है। अकेले इस जोन में 6.45 लाख से ज्यादा करदाता हैं।

पत्नी की मौत से परेशान युवक ने जहर खाया

हरदोई (संवाददाता)। मुरवा गांव में पत्नी की कब्र पर जाकर सीतापुर निवासी एक युवक ने जहर खा लिया। बुधवार रात तबीयत बिगड़ने पर युवक को सीएचसी हरियावां फिर मेडिकल कॉलेज लाया गया। यहां उसको मृत घोषित कर दिया गया। सीतापुर जनपद के पिसावां थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर निवासी जब्बार (36) खेती करते थे। उनका ससुराल हरियावां थाना क्षेत्र के मुरवां गांव में है। 19 जून को उनकी पत्नी आसमा की मायके में ही मौत हो गई थी। बुधवार शाम जब्बार अपने ससुराल आए थे। परिजनों के मुताबिक वह आसमा की कब्र पर गए। वहीं, उन्होंनें जहर खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर उनको सीएचसी हरियावां लाया गया। चिकित्सक ने उनको मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

लखनऊ से बड़ी खबर एग्रीकल्चर व्यापारियों ने 5 दिन के लिए किया हड़ताल

स्टेट ब्यूरो रामदुलारे शुक्ला की रिपोर्ट

लखनऊ के श्रावस्ती जिले गिलौला ब्लॉक के अंतर्गत सभी एग्रीकल्चर व्यापारियों ने धरना प्रदर्शन के लिए किया ऐलान कुछ मांगों को लेकर जैसे उर्वरक निर्धारित रेट फूट कर विक्रेताओं को उपलब्ध कराया जाए और उसके साथ किसी भी अन्य उत्पादकों रोका ना किया जाए मीटिंग के दौरान काफी एग्रीकल्चर के व्यापारी मौजूद रहे

राज्य वन सेवा के 23 अधिकारियों का तबादला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य वन सेवा के 23 अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया। संजय कुमार मल्ल को प्रभारी डीएफओ मैनपुरी, चंद्र प्रताप सिंह को प्रभारी डीएफओ औरैया, राजीव कुमार को प्रभारी डीएफओ फर्रुखाबाद, विनीता सिंह को प्रभारी डीएफओ अमरोहा, संजीव कुमार को प्रभारी डीएफओ कासगंज, अमरकांत शुक्ला को कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, तौफीक अहमद को उत्तर प्रदेश वन निगम, आशुतोष पांडे को वानिकी प्रशिक्षण संस्थान कानपुर में तैनाती दी गई है। इसी तरह प्रदीप कुमार वर्मा को प्रभारी डीएफओ बदायूं अमित सिंह को प्रभारी डीएफओ सुल्तानपुर, उमेश तिवारी को प्रभारी डीएफओ अंबेडकरनगर, दिलीप कुमार तिवारी को प्रभारी डीएफओ ओबरा, मानेंद्र सिंह को प्रभारी डीएफओ फिरोजाबाद,।

अभिभावकों ने खुद किया प्रदर्शन, सोशल मीडिया से मिली जानकारी

लखनऊ (संवाददाता)। बीकेटी के प्राथमिक विद्यालय खजुरी प्रागंण में पेयरिंग के विरोध में बीते दिनों अभिभावकों ने सोशल मीडिया पर जानकारी मिलने के बाद प्रदर्शन किया था। ये जानकारी बृहस्पतिवार को प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन की ओर बीएसए को लिखित रूप से दी गई। जिलाध्यक्ष लल्ली सिंह की मौजूदगी में विद्यालय की शिक्षिका निशा सिंह ने कहा स्कूल पेयरिंग की जानकारी मिलने के बाद अभिभावक अपनी मर्जी से विद्यालय आए थे। दरअसल बीते दिनों प्रदर्शन का वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षिका निशा सिंह, अनुपमा कुमारी, विजय लक्ष्मी, कांति देवी पर आरोप था कि उन्होंने अभिभावकों को भड़काया। जिसके बाद बीएसए ने चेतावनी दी थी। ये जानकारी बृहस्पतिवार को प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन की ओर बीएसए को लिखित रूप से दी गई। जिलाध्यक्ष लल्ली सिंह की मौजूदगी में विद्यालय की शिक्षिका निशा सिंह ने कहा स्कूल पेयरिंग की जानकारी मिलने के बाद अभिभावक अपनी मर्जी से विद्यालय आए थे।

लविवि के चार कार्यालय अधीक्षक सहायक कुलसचिव बने

पदोन्नति के बाद शासन की ओर से इनकी नवीन तैनाती का आदेश जारी कर दिया गया है

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन और विभिन्न संकायों में कार्यरत चार कार्यालय अधीक्षक अब सहायक कुलसचिव के रूप में सेवाएं देंगे। पदोन्नति के बाद शासन की ओर से इनकी नवीन तैनाती का आदेश जारी कर दिया गया है। शासन ने राज्य विश्वविद्यालयों के आठ कार्यालय अधीक्षकों को सहायक कुलसचिव बनाया है, इनमें से चार लखनऊ विश्वविद्यालय के हैं। लविवि के प्रशासनिक भवन में शोध, सामान्य प्रशासन एवं प्रवेश अनुभाग के कार्यालय अधीक्षक बजरंग बली गुप्ता को प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज में सहायक कुलसचिव पद पर तैनाती दी गई है। विज्ञान संकाय में कार्यालय अधीक्षक सरला देवी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, शिक्षा संकाय में कार्यालय अधीक्षक राम सेवक को आगरा विश्वविद्यालय और एक अन्य संकाय में कार्यालय अधीक्षक विजय कुमार पांडेय को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर में सहायक कुलसचिव के रूप में तैनाती दी गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी को शुभकामनाएं दी हैं। आईसीएमएआई ने शुरू किया नया कोर्स – : इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) लखनऊ चौप्टर की ओर से बृहस्पतिवार को कैट डीजीआर कोर्स के बैच तीन का उद्घाटन समारोह सीएमए भवन गोमतीनगर में हुआ। शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। लखनऊ चौप्टर के अध्यक्ष सीएमए रंजीत सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत की। उन्होंने इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को अकाउंटिंग एवं उससे संबंधित सॉफ्टवेयर की जानकारी दी जाएगी। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर जयदीप यादव ने कहा कि छात्रों को बड़ी संख्या में इस प्रोग्राम का लाभ लेना चाहिए। इससे उनके कौशल में वृद्धि होगी। इस अवसर पर कर्नल प्रशांत मिश्रा, आरके जैन, सुनील कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

पदोन्नति के बाद शासन की ओर से इनकी नवीन तैनाती का आदेश जारी कर दिया गया है। शासन ने राज्य विश्वविद्यालयों के आठ कार्यालय अधीक्षकों को सहायक कुलसचिव बनाया है, इनमें से चार लखनऊ विश्वविद्यालय के हैं। लविवि के प्रशासनिक भवन में शोध, सामान्य प्रशासन एवं प्रवेश अनुभाग के कार्यालय अधीक्षक बजरंग बली गुप्ता को प्रो. राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज में सहायक कुलसचिव पद पर तैनाती दी गई है। विज्ञान संकाय में कार्यालय अधीक्षक सरला देवी को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, शिक्षा संकाय में कार्यालय अधीक्षक राम सेवक को आगरा विश्वविद्यालय पदोन्नति के बाद शासन की ओर से इनकी नवीन तैनाती का आदेश जारी कर दिया गया है।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।